अखबारी कागज की मशीनें

१८०८. श्री भूलन सिंह : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जर्मनी के मैसर्स जे० एन० वोयट से अखबारी कागज बनाने की मशीनें मंगाने के लिये जो बातचीत चल रही थी, उसका क्या परिणाम निकला ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : मूल्य के भुगतान की उपयुक्त शर्तें तय करने के लिये कोशिशें की जा रही हैं ।

अन्तर्दाह इंजन और शक्ति-चालित पम्प

१८०६. श्री भूलन सिंह : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्तर्दाह इंजनों और शक्ति-चालित पम्पों के आयात और उत्पादन के सम्बन्ध मे आंकडे इकट्ठे करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है ;

(ख) क्या निर्माताओ को ये आंकडे उपलब्ध कराने के लिये कोई व्यवस्था है ;

(ग) यदि हा, तो उसका ब्योरा क्या है; और

(घ) नई आयात नीति का इन इंजनों और पम्पो के आयात पर क्या प्रभाव पडेगा ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) अन्तर्दाह इंजनो तथा शक्ति चालित पपों के आयात के आंकडे कलकत्ते का वाणिज्यिक जानकारी तथा अंक-संकलन विभाग अन्य चीजों के आंकडों के साथ एकत्र करता है और इन्हें "मंथली स्टैटिस्टिक्स आफ फारेन ट्रेड आफ इंडिया' नाम पुस्तक में प्रकाशित किया जाता है । इसी प्रकार उत्पादन के आंकडे डायरेक्टर इंडस्ट्रियल स्टैटिस्टिक्स, कलकत्ता एकत्र करता है और उन्हें 'मंथली स्टैटिस्टिक्स आफ प्रोडक्शन आफ सिलैक्टड इंडस्ट्रीज आफ इंडिया" नाम पुस्तक में प्रकाशित किया जाता है ।

(ख) तथा (ग). ये पुस्तकें बाजार में बिकती हैं ।

(घ) उन्हीं साइजों तथा किस्मों के इंजन और पंप आयात करने की अनुमति दी जाती है, जो देश में नहीं बनते ।

श्रमिक समितियां

१८१० श्री राधा रमण : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय उपक्रमों के किन किन कारखानों में औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा ३ के अन्तर्गत श्रमिक समितियां बनाई गई हैं; और

(ख) इन समितियो ने मालिकों और मजदूरो में अधिक निकट सम्पर्क तथा सद्भावना बढाने के लिये क्या कार्यवाही की है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) (क) तथा (ख). सूचना प्राप्त नही है तथा उसको प्राप्त करने से जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने मे समय और मेहनत लगेगी ।

झरिया और रानीगंज में कुष्ट रोग के अस्पताल

१८११. श्री वि० प्र० सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) झरिया और रानीगंज के कोयला खान क्षेत्रों में कुष्ट रोग के अस्पतालों में छत्तीस शय्याओं के लिये कितनी राशि दी गई है ; और

(ख) वर्ष १९५६-५७ और चालू वर्ष में अब तक कुष्ट रोग से पीड़ित कितने मजदूरों का इन अस्पतालों में इलाज किया गया ;

श्रम उपमंत्री (श्री आविद अली) : (क) १९५६ में १७,८७६ रुपये और ३४ नये पैसे, और १९५७ में अब तक ८८,९८ रुपये और ५६ नये पैसे दिये गये ।

(ख) १९५६ में २७६ मरीजों का और १९५७ में अब तक १५४ मरीजों का इलाज किया गया है ।

झरिया कोयला क्षेत्र में अस्पताल

१८१२. श्री वि० प्र० सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि झरिया के कोयला खान क्षेत्र में स्थित तीन अस्पतालों को एक्सरे की मशीने देने के सम्बन्ध मे क्या प्रगति हुई है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आविद अली) : तीन एक्सरे की मशीनें खरीदने के लिये इन्डेंट भेजे गये है और मशीनो के आने का इन्तजार है ।

राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद्

१८१३. श्री वि० प्र० सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् की स्थापना से पूर्व विशेषज्ञो का जो कार्यकारी दल नियुक्त किया गया था, उस में कौन-कौन व्यक्ति सम्मिलित थे ;

(ख) इस "कार्यकारी दल" ने कौन सी योजनायें बनायीं; और

(ग) उन्हें क्रियान्वित करने के लिये क्या किया गया ?

श्रम उपमंत्री (श्री आविद अली) : (क) कार्यकारी दल के सदस्यों की सूची नीचे लिखे अनुसार है :—

(१) पुनःस्थापन एवं नियोजन महानिदेशक । श्रम एवं नियोजन मंत्रालय, नई दिल्ली ।

२. श्री जी० ई० चन्दीरमानी, शैक्षणिक सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।

३. श्री जंगबीर सिंह, प्रवर औद्योगिक सलाहकार, भारी उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली ।

४. श्री जे० एफ० मंचरजी, निदेशक, यांत्रिक इन्जीनियरी, रेलवे बोर्ड, रेलवे मंत्रालय नई दिल्ली

५. श्री के० के० फ्रेमजी, महानिदेशक, आर्डिनेंस फैक्ट्री, कलकत्ता ।

६. श्री टी० एन० तोलानी, निदेशक प्राविधिक शिक्षा, बम्बई ।

७. श्री डी० एल० देशपाडे, प्रधानाचार्य, बिहार प्राविधिक संस्थान, सिन्दरी ।

८. श्री सी० वी० डी० मूर्ति, निदेशक, प्राविधिक शिक्षा विभाग, हैदराबाद ।

९. श्री के० ए० शिनाय, प्रशिक्षण अधीक्षक, टाटा लोहा और इस्पात कम्पनी लिमिटेड, जमशेदपुर

१०. श्री के० सी० चक्क, सहायक निदेशक, औद्योगिक और वाणिज्यक विद्यालय, त्रिवेन्द्रम ।